महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. : 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांकः 27.02.2016

प्रकाशनार्थ

भारत की स्थिति चिंताजनक नहीं अपितु भयावह होती जा रही है। भारत के समक्ष कड़ी चुनौतियों से आदर्श, आक्रामक और अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक युवा ही निपट सकता है। देश की सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़े बिना भारत की शिक्षा पद्धति का तंत्र खड़ा करना अपरिहार्य है। हम देश की युवा को ऐसी शिक्षा दें जो रोजगार के साथ संस्कार भी दे। अतः देश के शिक्षण संस्थानों से देश की युवा शक्ति के नेतृत्व में अंगड़ाई लेने वाला ही भारत को बचा सकता है। अब समय आ गया है कि भारत का युवा धर्म और ज्ञान विज्ञान के बल पर भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का यज्ञ प्रारम्भ करें। सेवा, समर्पण, राष्ट्रभक्ति हमारा मंत्र हो। अतः युवाओं को अपने इतिहास, परम्परा के प्रति जानकारी एवं निष्ठा, भारतीय संस्कृति पर हो रहे आक्रामण की जानकारी के साथ उन्हें निर्भिक आदर्शवान और संघर्षशील बनाये। उक्त बातें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के समावर्तन संस्कार समारोह में मुख्य अतिथि **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी** ने कही।

उन्होंने ने कहा कि देश का दर्शन ही देश की दिशा तय कर सकता है और देश का दर्शन शिक्षण संस्थाओं में पलता बढ़ता है। वस्तुतः शिक्षा साध्य नहीं साधन है। साध्य तो जीवन मूल्य है, हमने लौकिक शिक्षा के माध्यम से, हाथों में शक्ति तो दी किन्तु न दर्शन दिया और न ही दिशा दी। धर्म, सत्य, दया, करूणा, सेवा, समर्पण, सहभाग, राष्ट्रभक्ति, समाज के लिए जीने का भाव, शिक्षा क्यों नहीं दे पा रही है? यह प्रश्न जब तक अनुत्तरित रहेगा तब तक भारत का दुर्भाग्य बना रहेगा। कमीशन लेने वाले लोग सामान्य लोग नहीं है, वे विश्वविद्यालयी जैसी उच्च शिक्षण संस्थाओं में पढ़े लिखे मेधावी लोग ही हैं। अतः भारत के समग्र व्यवस्था परिवर्तन हेतु भारत के सम्पूर्ण शैक्षणिक ढांचे में आमूल–चूल परिवर्तन करना होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन का उददेश्य समझें, जीवन का साध्य समझें और इन साध्यों के लिए लौकिक साधनों के बल पर अपने जीवन का मार्ग प्रशस्त करें।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए **सदर सांसद गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य योगी आदित्यनाथ** जी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं ने आज सत्य बोलने और सत्य सुनने की क्षमताओं का ह्रास किया है। शिक्षण संस्थाओं से योग्य और संस्थापित युवा पीढ़ी निकलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान समय में जनता की खामोशी किसी बड़े क्रान्ति की आहट है। उच्च शिक्षण संस्थाओं में भारत के गुमराह नौजवानों द्वारा राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का संचालन एवं उन्हें पोषण करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व ऐसे में भारत के शिक्षण संस्थान यदि तय करे तो भारत में समग्र व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई शुरू हो सकती है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरक्षपीठ के उद्देश्यों के अनुसार शिक्षण एवं अन्य अकादमिक कार्यक्रमों के माध्यम से देश की युवा पीढ़ी में भारतीयता और अपनी सांस्कृतिक अस्मिता का जो बोध पैदा कर रहा है उसका जीता–जागता प्रमाण आज का समावर्तन संस्कार समारोह है। दुनिया देखे कि भारतीय वेशभूषा में भी भारत का शीलवान, प्रज्ञावान युवा कैसा गौरवशाली लग रहा है। आजादी के लगभग 60 दशक होने जा रहे हों तब तक शिक्षण संस्थानों को हम अपने सांचे में न ढाल सके यही भारत का दुर्भाग्य है। **महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था से निकला प्रबुद्ध ही आज देश के समक्ष सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरा है। भ्रष्टाचार इसी पढ़े–लिखे समाज की देन है। चूंकि 'शिक्षा' को भारतीय संस्कृति और संस्कार से विकृत धर्मनिरपेक्षता की आड़ में अलग–थलग कर दिया गया। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी भारत के समक्ष खड़े खतरों को ठीक से पहचानें। देश और समाज के लिए जीने–मरने का युवा पीढ़ी में शिक्षा व्यवस्था जज्बा पैदा

(क्रमशः....2)

कर सके। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना ऐसी ही युवा पीढ़ी तैयार करने के लिए की गई है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं अपने व्यक्तिगत जीवन के उत्थान के साथ–साथ देश–समाज के लिए जीने का संकल्प लेकर जायें।

विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय ने कहा कि आज भारत के युवाओं में भारतीय संस्कृति और आत्मबोध पैदा करने की आवश्यकता है। भारत का युवा अपने धर्म, अपनी संस्कृति और अपनी विरासत से परिचित हो जाये तो देश में पुर्नजागरण का युग प्रारम्भ हो जायेगा। जीवन में संस्कार और संस्कृति के बिना ज्ञान अधूरा है। **विशिष्ट अतिथि बीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर** के **पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** ने कहा कि वैश्वीकरण के वर्तमान युग में भारतीय संस्कृति और संस्कार में दीक्षित युवा ही भारत के समक्ष खड़ी चुनौती का सामना कर सकता है।

समारोह में महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव** ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि गोरक्षपीठ ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखकर शैक्षिक क्रान्ति की जो मशाल जलायी उसके निरन्तर प्रज्ज्वलित रहने का ही प्रमाण है आज का समावर्तन समारोह। गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति अपने विद्यार्थियों को संकल्पित कराकर भारत की सेवा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यहाँ से अध्ययन पूर्ण कर जाने वाले छात्र–छात्राओं ने जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने में ईश्वर उनकी मदद करें। **पुरातन छात्र परिषद् के अध्यक्ष श्री मनीष कुमार दूबे** भी उपस्थित थे।

समारोह में महाविद्यालय के **प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** ने छात्र–छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ–साथ शुचिता एवं इमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों के सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। सरस्वती वन्दना से शुभारम्भ समारोह का समापन राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने–अपने कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी, जो अगले वर्ष प्रवेश समिति में सदस्य नामित होते हैं को प्रमाण–पत्र एवं मेडल मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी द्वारा प्रदान किया गया।

गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थियों के नाम

बी.एस–सी. से राजनन्दिनी चौधरी, शिबा खातून, निखिता सिंह, **बी.ए. से** बलवंत कुमार मौर्य, राधिका चौहान, जसवंत मौर्य, **बी.काम. से** नितिन तिवारी, सुष्मिता सिंह, श्वेता मौर्य, **एम.काम. से** प्रगति मिश्रा तथा **बी.एड. से** वर्षा सिन्हा

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई का प्रमाण पत्र वितरण-महन्त आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा

सिलाई प्रमाण-पत्र

कुमारी मंजू, निशा भारती, प्रोमा चौहान, ~~सुन्दरी सिंह, कुसुम~~ चौहान, अर्चना चौहान, चाँदनी राजभर, रिषिता निषाद, प्रियंका निषाद, अनिता चौहान, खुश्बू विश्वकर्मा, वंशिका जायसवाल, रीमा निषाद, जनिता निषाद, सरिता विश्वकर्मा, अंकिता, सविता सहानी, अन्नु सिंह, गुड़िया साहनी, निधि गुप्ता, खुशी यादव, देविका त्रिपाठी, पूजा साहनी

कढ़ाई प्रमाण-पत्र

अनुष्का कुमारी, कु. मन्जू, पुष्पा निषाद, ~~बिन्दु निषाद, सीमा~~ कुमारी, सुमन भारतीश्रीवास्तव, निशा विश्वकर्मा, कु. उमा सहानी

पेंन्टिग प्रमाण-पत्र

नीशू चौहान, कु. रंजीत शर्मा, कु. रूबी, ~~कु. सरोज, सुमन~~ भारती